न्यूज डायरी

जेल से इतनी जल्दी आजाद नहीं होंगे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें थमने का नाम ही नहीं ले रही है। राज्य की गुप्त जानकारी लीक करने के मामले में पीटीआई चीफ की न्यायिक हिरासत 26 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। इमरान खान के वकील नईम पंजुथा ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए नईम ने लिखा, इमरान खान की जेल हिरासत 26 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि, भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 5 अगस्त को गिरफ्तारी के बाद से इमरान खान अटॉक जेल में बंद हैं। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने तोशखाना भ्रष्टाचार में इमरान खान की तीन साल की सजा को निलंबित कर दिया था, लेकिन पिछले महीने एक विशेष अदालत द्वारा सिफर मामले में इमरान खान की न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी गई है। इससे पहले 11 सितंबर को इमरान खान ने अटॉक जेल अधीक्षक के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही की मांग की थी, क्योंकि उन्हें अपने बेटों कासिम और सुलेमान से बात करने की अनुमति नहीं मिली थी। हालांकि, 12 सितंबर को इमरान खान को स्पेशल कोर्ट से बड़ी राहत मिली।

मेक्सिको की संसद में रखी गई श्एलियनश की लाश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेक्सिको सिटी। लैटिन अमेरिकी देश मेक्सिको की संसद में एलियन को लेकर एक असामान्य घटना देखने को मिली है। इसे मानव सभ्यता के इतिहास में एक निर्णायक क्षण कहा जा रहा है। इससे आने वाले समय में एलियन और यूएफओ में लोगों की रुचि और ज्यादा बढ़ सकती है। दरअसल, मेक्सिको की कांग्रेस के अंदर एक आधिकारिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दो एलियन शव का प्रदर्शन किया गया। एलियन की इन लाशों का आधिकारिक अनावरण यूएफओ विशेषज्ञ जैमी मौसान ने किया। ये दो छोटे–छोट शव सभी पर्यवेक्षकों के लिए रखे गए हैं। आयोजकों का दावा है कि यह ममी बन चुकीं लाशें 1000 साल पुरानी हैं और इन्हें पेरू के कूस्को से हासिल किया गया है। मौसान ने मैक्सिको सरकार के सदस्यों से कहा कि यूएफओ के नमूने का मेक्सिको की एक यूनिवर्सिटी में अध्ययन किया गया है जहां उनके मुताबिक वैज्ञानिकों ने जोर देकर कहा है कि उन्होंने रेडियोकार्बन डेटिंग के आधार पर डीएनए साक्ष्य हासिल करने में सफलता हासिल की है।

चीन ने हथियारों के नाम पर बेचा कबाड़ तो दुनिया ने किया किनारा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। दुनिया के हथियार बाजार पर कब्ज्जा करने की फिराक में लगे चीन को बड़ा झटका लगा है। चीन के हथियार निर्यात में हाल के वर्षों में भारी गिरावट आई है। बताया जा रहा है कि चीन ने हाल के वर्षों में दुनियाभर के देशों को कई हथियार बेचे लेकिन उनकी क्वालिटी इतनी खराब थी कि अब ये ड्रैगन से किनारा करने लगे हैं। यही नहीं चीनी हथियार जरूरत के समय धोखा दे रहे हैं जिससे म्यांमार जैसे गृहयुद्ध से जूझ रहे देशों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन का निर्यात 25 फीसदी तक गिर गया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन की सेना पीएलए को भी घटिया क्वालिटी के हथियारों से जूझना पड़ रहा है। वह भी तब जब ताइवान को लेकर चीन को अमेरिका से युद्ध का खतरा मंडरा रहा है।

वॉर ऑफिस को लग्जरी होटल के तौर पर 26 सितंबर से खोला जाएगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। सन् 1947 में जब अंग्रेज भारत को आजाद करने की तैयारी कर रहे थे तो उस समय ब्रिटिश राजनेता और पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कई विवादित टिप्पणियां की थीं। चर्चिल ने भारतीयों को दुष्ट और मुफ्तखोर तक बताया था। अब विधि का विधान देखिए कि 78 साल बाद इन्हीं मुफ्तखोर भारतीयों ने चर्चिल की आखिरी निशानी को भी मिटाने की तैयारी कर ली है। चर्चिल जो भारतीयों की आजादी के सख्त खिलाफ थे, उनका वॉर ऑफिस अब एक लग्जरी होटल बनने जा रहा है। इस होटल का मालिक कोई और नहीं बल्कि भारत का हिंदुजा ग्रुप है।

पूर्वी लीबिया में विनाशकारी बाढ़ से जनजीवन अस्त–व्यस्त

तबाही

डेनियल तूफान की वजह से पूर्वी लीबिया में आई बाढ़

- तूफान के टकराने से टूटा बांध, कई लोग बहे
- डर्ना शहर की इमारतें क्षतिग्रस्त, सड़कें भी टूटी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डर्ना। पूर्वी लीबिया के डर्ना शहर में आई विनाशकारी बाढ़ की वजह से 2,000 से अधिक लोग मारे गए, जबकि अधिकारियों ने आशंका जताई कि मरने वालों की संख्या 5,000 से अधिक हो सकती है।

३०,००० से ज्यादा लोग हुए विस्थापितः बाढ़ की वजह से डर्ना में बुनियादी ढांचों को भारी क्षति पहुंची है और कम से कम 30,000 लोग विस्थापित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूमध्यसागर में उठे डेनियल तूफान की वजह से पूर्वी लीबिया के कई शहरों में विनाशकारी बाढ़ आई, लेकिन सबसे ज्यादा डर्ना में तबाही हुई। रविवार की रात को डेनियल तूफान तट से टकराया, जिसकी वजह से बांध टूट गया और पानी के तेज बहाव की वजह से सबकुछ अस्त–व्यस्त हो गया, यहां तक की लोग भी बह गए। डर्ना के निवासियों के मुताबिक, बांध ढहने की वजह से उन्होंने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। बाढ़ के पानी ने वाडी डेरना को बहा दिया।

2,000 से अधिक शव बरामदः पूर्वी लीबिया के स्वास्थ्य मंत्री उस्मान अब्दुल जलील के मुताबिक, बुधवार सुबह तक 2,000 से अधिक शव बरामद किए गए और आधे से अधिक शवों को डर्ना की सामूहिक कब्रों में दफनाया गया। बचावकर्मी मलबे में दबे हुए अन्य शवों को निकालने की कोशिशों में जुटे हुए हैं, जबकि कई शव समुद्र से बरामद किए गए।

सनद रहे कि विनाशकारी बाढ़ की वजह से कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और सड़कें टूट गईं। वर्ना शहर की ओर जाने वाली सात में से पांच सड़कें पूरी तरह से बर्बाद हो गईं, जबकि दक्षिणी छोर पर स्थित दो सड़कों की स्थिति अभी ठीक है। जिसकी मदद से शहर में दाखिल हुआ जा सकता है।

राहत एवं बचाव कार्य जारीः रविवार रात को उत्पन्न हुई भयावह स्थिति की वजह से डर्ना शहर के हालात असामान्य हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। बचावकर्मी शवों को निकालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

क्या इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करेंगी आप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। दुबई और स्पेन के 11 दिवसीय दौरे पर रवाना हुईं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अचानक श्रीलंका के राष्ट्रपति से मुलाकात हुई। इस दौरान श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेतृत्व को लेकर एक सवाल पूछ लिया, जिस पर ममता बनर्जी मुस्कुरा गईं। दरअसल, दुबई एयरपोर्ट पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुलाकात श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। हालांकि, इस बातचीत के दौरान रानिल विक्रमसिंघे ने विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेतृत्व को लेकर उनसे सवाल कर लिया।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा कि क्या वह विपक्षी गठबंधन इंडिया करने वाली हैं। हालांकि, रानिल विक्रमसिंघे के इस सवाल पर ममता मुस्कुरा गईं और उन्होंने कहा कि यह जनता पर निर्भर करता है। क्या पता विपक्ष सत्ता में भी रहे। बता दें कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से दुबई और स्पेन की 11 दिवसीय यात्रा पर हैं। इस दौरान उनकी दुबई एयरपोर्ट पर श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात हुई।

किम जोंग ने रूस को समर्थन देने की घोषणा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) व्लादिवोस्तोक। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को रूस की सबसे आधुनिक अंतरिक्ष प्रक्षेपण सुविधा में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन से मुलाकात की। किम जोंग उन ने व्लादिमीर पुतिन और रूस को उत्तर कोरिया का पूरा समर्थन देने की पेशकश की और मॉस्को की श्पवित्र लड़ाईश का जिक्र किया। रूसी राज्य मीडिया ने एपी को बताया, पुतिन और किम जोंग रूस के सबसे बड़े घरेलू अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र में बातचीत के लिए बैठे। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन और किम ने बैठक में हाथ भी मिलाया। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन और किम के बीच हथियारों को लेकर बड़ी डील हो सकती है, जिसका इस्तेमाल पुतिन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर सकते हैं।

जस्टिन ट्रूडो आपने भारत के साथ रिश्तों को खतरे में डाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अपने ही देश में घिरे कनाडा के पीएम, विपक्षी हमलावर

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का खालिस्थान के लिए उदारवादी रवैया अब उनके देश में ही उन पर भारी पड़ने लगा है। यहां के सस्केचेवान प्रीमियर स्कॉट मो की सरकार ने ट्रूडो पर भारत के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने का बड़ा आरोप लगाया। इसके साथ ही व्यापार वार्ता के बारे में प्रांतों को अंधेरे में रखने की बात भी कही है। मो की तरफ से सोमवार को एक चिट्ठी जारी की गई है। इसमें सस्केचेवान के व्यापार मंत्री जेरेमी हैरिसन ने तर्क दिया कि ट्रूडो घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारत के साथ लड़ाई कर रहे हैं। उनके इस रवैये की वजह से प्रांत के सबसे महत्वपूर्ण निर्यात बाजारों में से एक तक की पहुंच खतरे में पड़ गई है।

आपके राजनीतिक हित सबसे आगे सीबीसी कनाडा के मुताबिक हैरिसन ने लिखा, किसी और नतीजे पर पहुंचना बहुत मुश्किल है कि आपकी सरकार ने एक बार फिर अपने घरेलू राजनीतिक हितों को राष्ट्रीय आर्थिक हित से आगे रखा है, खासकर जब यह पश्चिमी कनाडाई–निर्मित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार से संबंधित है। पिछले महीने, भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने द कनेडियन प्रेस को एक इंटरव्यू में इस बारे में कुछ बातें कही थीं। उन्होंने कहा था कि ओटावा ने अर्ली प्रोग्रेस ट्रेड एग्रीमेंट के लिए चल जारी बातचीत को पिछले महीने ही रोकने की मांग की थी। इस खबर से देश के नेता हैरान हैं। हैरिसन ने लिखा कि उनके साथियों के पास कम से कम जुलाई के अंत से इस समझौते पर बातचीत की कोई अपडेट नहीं है।

सरकार को कोई खबर नहींः हैरिसन ने यह चिट्ठी आठ सितंबर को लिखी है। उन्होंने लिखा है, श्यह हमारी सरकार को मंजूर नहीं है कि हमने पहली बार एक सप्ताह पहले मीडिया के माध्यम से ईपीटीए वार्ता में रुकावट के बारे में सुना था। उसके बाद भी हमें कनाडा सरकार से कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला।

पाकिस्तान–चीन ने दिया धोखा तो रूस की शरण में म्यांमार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रंगून। आंग सांग सू की समर्थकों के भीषण हमले का सामना कर रहे म्यांमार ने रूस से सुखोई–30SME फाइटर जेट खरीदा है। म्यांमार की वायुसेना को दो फाइटर जेट मिल भी गए हैं और जल्ब्द ही 4 और फाइटर जेट भी रूस उसे दे देगा। म्यांमार ने पाकिस्तान और चीन के कबाड़ बन चुके जेएफ–17 फाइटर जेट के धोखा देने के बाद अब रूस से यह लड़ाकू विमान खरीदा है। म्यांमार से पहले भारत बड़े पैमाने पर सुखोई–30 फाइटर जेट का इस्तेमाल कर रहा है। म्यांमार की सेना को उम्मीद है कि इन फाइटर जेट की मदद से वह गृहयुद्ध कर रहे लोकतंत्र समर्थकों को कुचल सकेगी। म्यांमार की सैन्य सरकार के व्यापार मंत्री चार्ली चान ने सुखोई–30 विमान मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने रूस में इस डील का ऐलान किया। इससे पहले साल 2022 में म्यांमार के एक जनरल जा मिन तून ने खुलासा किया था कि उन्होंने रूस के साथ इस विमान की डील की है।